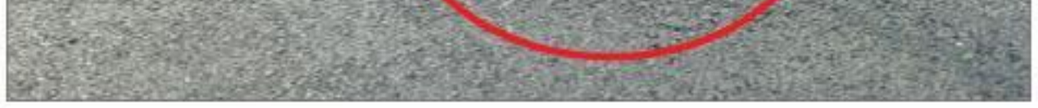

### इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के दीक्षांत समारोह में 464 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

# चुनौतियां आती रहेंगी, डट कर मुकाबला करें

## ▪ सफलता का कोई शॉटकर्ट नहीं

भास्कर प्रतिनिधि | नागपुर

कोरोनाकाल में हमने अनेक चुनौतियों का सामना किया। भविष्य में भी ऐसी कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। ऐसे में हमें इन चुनौतियों का सामना करना सीखना होगा। युद्ध, तनाव, महंगाई, आर्थिक युद्ध से घिरे हुए युग में हम प्रवेश कर रहे हैं। इनका सामना करते हुए हमें अपनी मंजिल ढूंढनी है। यह बात लार्सन एंड टर्बो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और व्यवस्थापक संचालक एस.एन.सुब्रहमण्यम ने कही।

रविवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि वे बोल रहे थे। संस्थान ने रविवार को मिहान स्थित अपने कैंपस में चौथे, पांचवें और छठें दीक्षांत समारोह का संयुक्त आयोजन किया। कोरोना संक्रमण के कारण बीते कुछ वर्ष दीक्षांत समारोह नहीं हो पाए थे।

सुब्रमण्यम ने कहा कि जीवन में संघर्ष के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। सफलता का शॉटकर्ट नहीं है। अनेक क्षेत्रों में प्रचूर ज्ञान उपलब्ध है। लगातार सीखते रहने का उत्साह कायम रखना चाहिए। नियमित काम के अलावा संगीत, खेल और अन्य विषयों का हुनर भी होना चाहिए। इससे जीवन आसान होता है। कई मामलों में बीच का रास्ता चुनना बेहतर होता है। कार्यक्रम में आईआईएम बीओजी के अध्यक्ष सी.पी. गुरुनानी, संचालक डॉ. भीमराय मैत्री व संचालक मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

## युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा

आईआईएम बीओजी के अध्यक्ष सी.पी. गुरुनानी ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया संकट में है, लेकिन इसके बाद भी भारत में अनेक युवा नए-नए प्रयास कर रहे हैं। ऐसे युवाओं के कारण ही देश में सकारात्मक ऊर्जा निर्मित हो रही है। उद्योजकता हो या आईपीएल, हम देख रहे हैं कि युवाओं के उत्साह के कारण ही ऊर्जा से वरिष्ठों को भी अच्छा काम करने की प्रेरणा मिल रही है। विश्व के नेताओं में अपने काम के लिए लगन और सर्मपण होता है। युवाओं को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

## इन पर पुरस्कारों की वर्षा

दीक्षांत समारोह में कुल 464 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। सभी विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों डिग्रियां दी गईं। अपने पाठ्यक्रम में अंकिता जोशी और ऐना गुप्ता को उल्लेखनीय शैक्षणिक प्रदर्शन और टी.भारत और शेख फरीद अहमद को सराहनीय प्रदर्शन के कारण पुरस्कार प्रदान किए गए। डिंपी खुराना और समृद्धि कोली को संस्था स्तर पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

### वीएनआईटी, आईआईएम बोधगया समेत 6 संस्थाओं के साथ एमओयू

# नेतृत्व करने वाले में हो त्याग का भाव तो बेहतर परिणाम मिलते हैं : सहस्त्रबुद्धे

**भास्कर प्रतिनिधि | नागपुर.** एक परिवार के मुखिया में त्याग का भाव होना जरूरी है। नेतृत्व त्याग का भाव रखता है, तो टीम भी वैसी ही तैयार हो जाती है। यह विचार अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने व्यक्त किए।

रविवार को रिसर्च फॉर रिसर्जंस फाउंडेशन (आरएफआरएफ) के तत्वावधान में आयोजित कान्फ्रेंस ऑफ अकेडमिक लीडरशिप (कैल-4) शैक्षिक नेतृत्व की दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि वे बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जब एक संस्थान बनाया जाता है, तो उसका एक लक्ष्य निर्धारित होता है और उसी को लेकर पाठ्यक्रम तैयार किए जाते हैं। संस्थान को इस पर भी सोचना चाहिए कि क्या वह अपने लक्ष्य को हासिल कर पा रहे हैं। प्रोफेशनलिज्म के चक्कर में पैसे कमाने की दौड़ के चलते लक्ष्य और पाठ्यक्रम एक-दूसरे से अलग-अलग हो गए हैं।

**शिक्षा प्रणाली सुधरेगी : कानिटकर :** भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे देश की प्रणाली को ठीक करेगी। संस्थानों को सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर देखने की जगह हम क्या कर सकते हैं इस पर काम करने की जरूरत है। आरएफआरएफ के महानिदेशक डॉ. राजेश बिनीवाले ने आरएफआरएफ की योजना और प्रक्रिया की जानकारी दी और शैक्षिक नेतृत्व की अनुसंधान के साथ ही अन्य शंकाओं का भी समाधान किया।

**कुलगुरु के लिए सभी समानः प्रो.वरखेडी :** केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि शैक्षिक नेतृत्व का काम पारदर्शिता लाना है। कुलपति के लिए कोई अपना और पराया नहीं होता है। उसके लिए सभी समान हैं वह विद्यार्थी हो या फिर कर्मचारी। शैक्षिक नेतृत्व को प्रशासन का काम भी करना पड़ता है, जबकि उसे इसका अनुभव नहीं होता है, इससे समस्याएं भी होती हैं।

**6 एमओयू किए गए :** सम्मेलन में आरएफआरएफ ने 6 संस्थाओं के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसमें शहर के बजाज नगर स्थित विश्वेश्वरैय्या राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बोधगया का भी समावेश है। इन 6 एमओयू के साथ ही आरएफआरएफ ने 200 एमओयू का आंकड़ा पार कर लिया है। रविवार को आरएफआरएफ के सचिव राजेन्द्र पाठक ने वीएनआईटी के निदेशक डॉ. प्रमोद पडोले के साथ एमओयू किया।

**इनके साथ भी हुआ एमओयू :** आरएफआरएफ ने आईआईएम बोधगया की निदेशक डॉ. विनीता सहाय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी लोनेरे (महाराष्ट्र) की कुलपति डॉ. करभरी काले, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भरत मिश्रा और धरमपेठ एज्युकेशनल सोसायटी नागपुर के अध्यक्ष डॉ. उल्लास औरंगाबादकर के साथ एमओयू किया।